बिहार विधान सभा वादवृत्त

मंगलवार, तिथि २५ अप्रिल १९५०

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने में मंगलवार तिथि २५ अप्रिल १९५० को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

गत अधिवेशन के अवशिष्ट प्रश्नों के १८० से २०५ तक के उत्तर।

ANSWERS OF THE PENDING QUESTIONS FROM 180 TO 205 OF THE LAST SESSION.

माननीय डा० अनुग्रह नारायण सिंह—महोदय, गत अधिवेशन के ५६ प्रश्नों में २६ प्रश्नों का उत्तर मेज पर रखता हूं :

चम्पारण और सारन के मिलों का जीरात।

१८०। श्री नन्दकिशोर नारायण सिंह :

क्या माननीय राजस्व मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि चम्पारण और सारन जिलों में निम्न व्यक्ति कितने एकड़ जीरात के स्वामी हैं :

(१) श्री राजनारायण लाल पीती, २०७, कलवा देवी रोड, बम्बई, हरनिगर मिल,

(२) बगहा चीनी मिल,

(३) नरकटियागंज चीनी मिल,

(४) मजह बलिया मिल,

(५) मोतिहारी मिल या श्री राजेश्वर लाल निपानी,

(६) मोतीपुर चीनी लिमिटेड,

(७) बिरला ब्रादर्स (बन्धुओं),

(८) बेतिया राज,

(९) हथवा राज, और

(१०) सिधवलिया मिल (भारत चीनी मिल्स)?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

रेवेन्यू डिपार्टमेंट को ट्रैक्टर से ताल्लुक है इसलिये वहाँ भेज दिया गया है।

श्री वासुदेव प्रसाद सिंह :

चिट्ठी कब भेजी गयी।

श्री वीरचन्द्र पटेल :

जैसे ही वहाँ से प्रस्ताव आया, वैसे ही वहाँ भेज दिया गया था, मगर निश्चित तारीख के लिये दूसरा प्रश्न पूछना चाहिये।

रेशम के सूते तथा कपड़े बुनने की मशीन।

* ४७५। श्री गौरीशंकर डालमियां :

क्या उद्योग विभाग के माननीय मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार ने रेशम के सूते और कपड़े बुनने की मशीन खरीदी है, यदि 'हां' तो किस देश से और कितने मूल्य में तथा किस फार्म से ;

(ख) इसके लाने तथा बैठाने में कितना खर्च लगेगा ;

(ग) क्या ये मशीनें बिलकुल नयी हैं, यदि नहीं, तो कितने वर्ष वे चल चुकी है ;

(घ) ये मशीनें कहां बैठाई जायगी, तथा कब वह बैठ सकेगी, और इसमें कब से माल तैयार होना शुरू होगा, तथा कितना माल सालियाना निकलेगा ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

(क) उत्तर नकारात्मक है।

(ख), (ग) और (घ) का प्रश्न नहीं उठता है।

बोन पीसने की मशीन।

* ४७६। श्री गौरीशंकर डालमियां :

क्या उद्योग विभाग के माननीय मंत्री यह बतलाने की कृपा करेंगे कि—

नोट। प्रश्न सख्या ४७३-४७४ स्थगित किए गए।

(क) क्या यह बात सही है कि बिहार सरकार ने बोन पिसाई मशीनें खरीदी हैं, यदि हां, तो किस देश से और कितने मूल्य में तथा किस फार्म से ;

(ख) इसके लाने तथा बैठाने में कितना खर्च लगेगा ;

(ग) क्या ये मशीनें बिलकुल नयी हैं, यदि नहीं, तो कितने वर्ष चल चुकी हैं ;

(घ) ये मशीनें कहाँ बैठाई जायगी तथा कब तक बैठ सकेगी, और इसमें कब से माल तैयार होना शुरू होगा, तथा कितना माल सालियाना निकलेगा ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

(क) अभी मिशिनरी खरीदी नहीं गयी है इसलिये (क) के दूसरे भाग का प्रश्न नहीं उठता है।

(ख) यह अन्दाजा किया जाता है कि इसका टोटल capital cost ४७१६०६) है।

(ग) यह मिशिनरी नयी होगी। ऐसा विचार किया जाता है कि factory को बैठाने के लिये करौंदिया जो जिला शाहाबाद में है प्रबन्ध किया जा रहा है और land acquire करने की कारवाई की जा रही है, और ज्योंही priliminaries settle हो जायगा, तब land को acquire किया जायगा और plant का order दिया जायगा। काम भी शुरू कर दिया जायगा। factory का जो production होगा उसकी capacity २ हजार टन आफ bone-meal per ऐनम होगा।

श्री जगन्नाथ सिंह :

मशीनरी खरीदने में देर क्यों हुई ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

मशीनरी खरीदने में देर इसलिये हुई कि expert की राय ठीक तौर से नहीं मिली। जब तक राय ठीक तरह से available नहीं हो, मशीनरी कैसे खरीदी जा सकती है ?

श्री जगन्नाथ सिंह :

ये Expert हिन्दुस्तान के हैं या बाहर के ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

ये हिन्दुस्तान के Expert हैं।

श्री जगन्नाथ सिंह :

कब से माल बनाना शुरू होगा ?

श्री वीरचन्द्र पटेल :

जब हम Land acquire करेंगे और मशीन मंगायेंगे, तब से काम शुरू होगा।

ट्रैक्टर।

*४७७। श्री नन्दकिशोर नारायण लाल :

क्या माननीय विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) कितने ट्रैक्टर बिहार सरकार ने कृषि विभाग तथा Land Reclamation विभाग के लिये खरीदी है ;

(ख) वे ट्रैक्टर किन-किन जिलों में कितने कितने भेजे गये हैं, तथा कितने सबौर और पूसा रीसर्च स्टेशन तथा अन्य कृषि विभागों में हैं ;

(ग) सबौ में दिये जाने वाले ट्रैक्टरों को कितने दिन वास्तव में उपयोग किया गया है, और कितने दिन वे बैठे रहे, तथा उससे कितने रुपये मिले ;

(घ) इनमें से कितने ट्रैक्टर खराब हैं, और ठीक से काम नहीं करते हैं ?

तारांकित प्रश्न संख्या ४७७

श्री वीरचन्द्र पटेल :

इसका संबंध सिर्फ Agriculture Department से ही नहीं है बल्कि Revenue Department से भी है इसलिये इसका जवाब उस department से पूछ कर पीछे दिया जायगा।

अधिक अन्न उपजाओ विभाग की ओर से कुंआं खुदवाने के लिये कोयला की सप्लाई।

४७८। श्री शिवनन्दन राम :

क्या कृषि विभाग के माननीय मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि—